चूहा बोला

चूहा बोला,
ओ सुआ!
मुझको तुमने,
क्यों छुआ?

सुआ बोला,
ओ चूहा!
छू लिया तो,
क्या हुआ?

आ खाएँगे,
मिलकर दोनों,
मालपुआ।

कविताः द्रोण साहू
चित्रांकनः निलेश गहलोत

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

Designed by www.stellardesignandprint.com